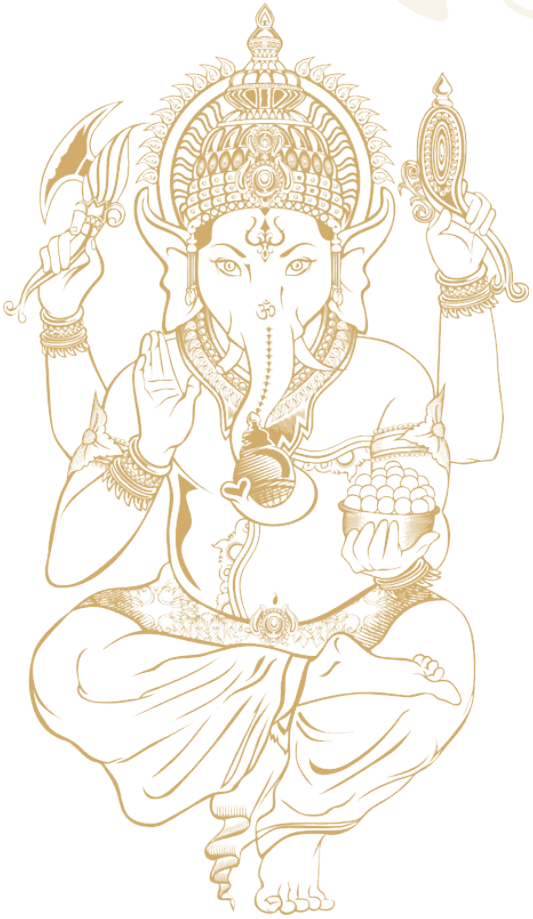

Mr.girish

16 Sep 1978

08:35 AM

Saharanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121092706

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/09/1978**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**08:35:00 घंटे**
इष्ट	06:16:01 घटी
स्थान	**Saharanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:58:00 उत्तर
रेखांश	77:33:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:15:12 घंटे
वेलान्तर	00:04:57 घंटे
साम्पातिक काल	07:54:04 घंटे
सूर्योदय	06:04:35 घंटे
सूर्यास्त	18:24:33 घंटे
दिनमान	12:19:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	29:20:46 सिंह
लग्न के अंश	01:11:25 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शूल
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेनजित
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	01:11:25	310:37:42	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
सूर्य			सिंह	29:20:46	00:58:29	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	स्वराशि
चंद्र			कुंभ	20:23:46	14:31:42	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल			तुला	03:56:08	00:40:01	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध			सिंह	16:57:02	01:47:56	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			कर्क	08:25:44	00:10:37	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शुक्र			तुला	14:01:37	00:47:57	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
शनि			सिंह	12:52:10	00:07:24	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	03:10:47	00:00:16	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	03:10:47	00:00:16	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष			तुला	20:05:44	00:02:41	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
नेप			वृश्चि	22:05:09	00:00:37	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
प्लूटो			कन्या	22:06:21	00:02:13	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	02:56:03	--	पुनर्वसु	--	7	चंद्र	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:33:34

लग्न-चलित

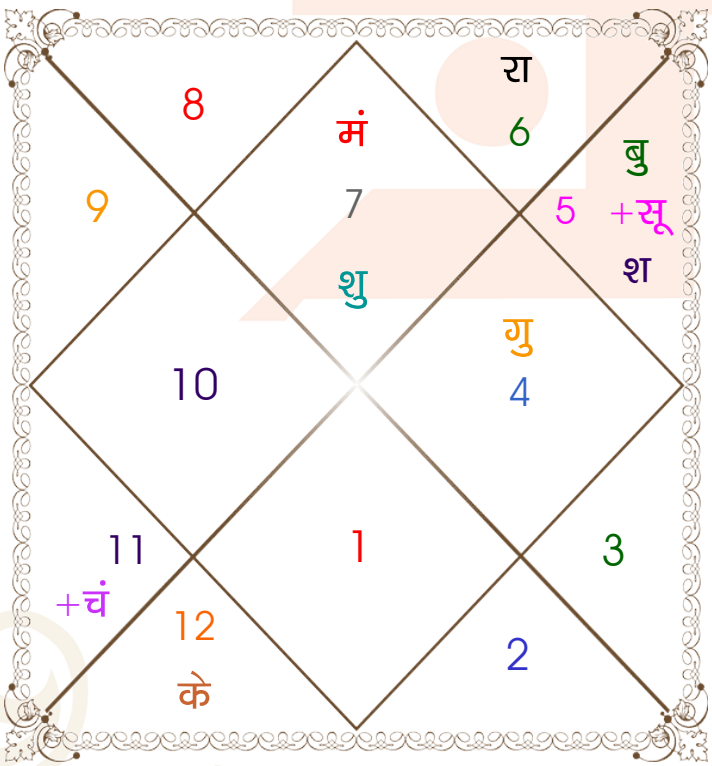

चन्द्र कुंडली

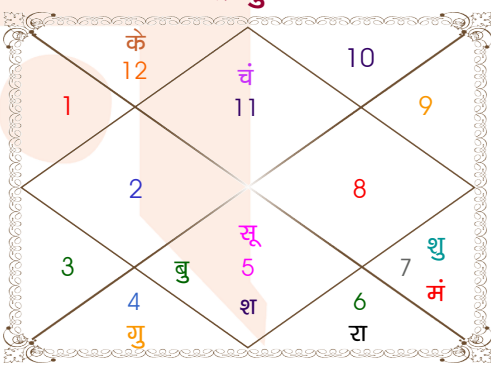

नवमांश कुंडली

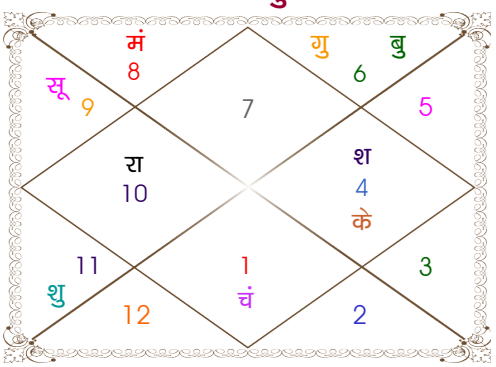

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 15 वर्ष 6 मास 9 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
16/09/1978		26/03/1994		26/03/2013		26/03/2030		26/03/2037	
26/03/1994		26/03/2013		26/03/2030		26/03/2037		26/03/2057	
गुरु	13/05/1980	शनि	29/03/1997	बुध	23/08/2015	केतु	22/08/2030	शुक्र	26/07/2040
शनि	25/11/1982	बुध	07/12/1999	केतु	19/08/2016	शुक्र	23/10/2031	सूर्य	26/07/2041
बुध	02/03/1985	केतु	15/01/2001	शुक्र	20/06/2019	सूर्य	27/02/2032	चंद्र	27/03/2043
केतु	06/02/1986	शुक्र	17/03/2004	सूर्य	25/04/2020	चंद्र	27/09/2032	मंगल	26/05/2044
शुक्र	07/10/1988	सूर्य	27/02/2005	चंद्र	25/09/2021	मंगल	24/02/2033	राहु	26/05/2047
सूर्य	26/07/1989	चंद्र	28/09/2006	मंगल	22/09/2022	राहु	14/03/2034	गुरु	24/01/2050
चंद्र	25/11/1990	मंगल	07/11/2007	राहु	10/04/2025	गुरु	18/02/2035	शनि	26/03/2053
मंगल	01/11/1991	राहु	13/09/2010	गुरु	17/07/2027	शनि	29/03/2036	बुध	25/01/2056
राहु	26/03/1994	गुरु	26/03/2013	शनि	26/03/2030	बुध	26/03/2037	केतु	26/03/2057

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
26/03/2057		27/03/2063		26/03/2073		26/03/2080		26/03/2098	
27/03/2063		26/03/2073		26/03/2080		26/03/2098		00/00/0000	
सूर्य	14/07/2057	चंद्र	25/01/2064	मंगल	22/08/2073	राहु	07/12/2082	गुरु	16/09/2098
चंद्र	12/01/2058	मंगल	25/08/2064	राहु	10/09/2074	गुरु	02/05/2085		00/00/0000
मंगल	20/05/2058	राहु	24/02/2066	गुरु	17/08/2075	शनि	08/03/2088		00/00/0000
राहु	14/04/2059	गुरु	26/06/2067	शनि	24/09/2076	बुध	25/09/2090		00/00/0000
गुरु	31/01/2060	शनि	24/01/2069	बुध	22/09/2077	केतु	13/10/2091		00/00/0000
शनि	12/01/2061	बुध	26/06/2070	केतु	18/02/2078	शुक्र	13/10/2094		00/00/0000
बुध	18/11/2061	केतु	25/01/2071	शुक्र	20/04/2079	सूर्य	07/09/2095		00/00/0000
केतु	26/03/2062	शुक्र	24/09/2072	सूर्य	26/08/2079	चंद्र	08/03/2097		00/00/0000
शुक्र	27/03/2063	सूर्य	26/03/2073	चंद्र	26/03/2080	मंगल	26/03/2098		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 15 वर्ष 6 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में उच्चाभिलाषी वर्गानुसार जन्म लग्न तुला के उदय काल हुआ था। तुला नवमांश एवं तुला द्रेष्काण के उदय कालीन प्रभाव वर्गोत्तम दशा में अनेकानेक शुभ संकेतों का सृजन कर रहा है। फलस्वरूप आप आरामदायक, उच्च आनन्द प्रदायक जीवन का प्रसन्नता युक्त सुखपूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

यह सुनिश्चित है कि आप अपनी अभिरूचि के अनुसार अपनी जीवन संगिनी अर्थात् अपनी पत्नी का चयन करेंगे। आप कामुक प्राणी है। इस प्रभाव से आप अपना अधिक समय प्रेम-प्रसंग के चिंतन तथा प्रेम संबंध स्थापित करने में व्यतीत करेंगे। आप उच्च स्तर के भावुक प्राणी है। आप अपनी संगिनी को हार्दिक प्यार करते हो तथा अनुग्रहपूर्वक वासनात्मक प्रवृत्ति से व्यवहार करते हों। आप पूर्ण रूपेण अपनी संगिनी के प्रति समर्पित प्राणी हैं। यदि आपका संगिनी आपकी अभिरूचि के अनुरूप अथवा आशा के अनुकूल आचरण नहीं करती है तो दोनों के समक्ष संबंधित समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। जब आप भी अपनी संगिनी को कुछ उपहार नहीं देते हो लेकिन सामंजस्य स्थापित करने के प्रति कार्यरत हो जाते हैं। आप अपने स्वाभावानुकूल उस व्यक्ति के साथ तारतम्य स्थापित कर सकेंगे, जिनकी राशि मिथुन हो अथवा कुंभ राशि में जन्म हुआ हो। आप यह निश्चित मान कर चले कि आपका मेल मीन मकर एवं कर्क राशि अर्थात् जलीय गुणयुक्त प्राणी से असंभव है।

आपका रंग रूप उत्तम एवं पूर्ण विकसित शरीर होगा। आप पूर्ण युवा शक्ति संपन्न होंगे। परिणामस्वरूप आपके मित्र संबंधित एवं व्यवसायिक मित्रों के मध्य प्रख्यात होंगे। आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप अपने व्यक्तित्व का प्रयोग कर अपनी अच्छी पहचान जन सामान्य की दृष्टि में बनाकर, लाभ प्राप्ति के क्षेत्र में उच्च स्तर प्राप्त करेंगे।

फलस्वरूप आप थोक धन की आय करेंगे तथा बहुतायत में खर्च भी करेंगे। आप यदा कदा बेतुकी बात करके आनन्द प्राप्त करेंगे। आपमें विभिन्न आकर्षक विद्यमान है। आप मुक्त हस्त से धन का व्यय करते हैं। आप सदैव सहृदयता पूर्वक धन का कुछ अंश व्यय करने के लिए उद्यत रहते हैं। आप किसी भी प्रकार की करूण कथा सुन कर यदा कदा किसी को भी मुक्त हस्त से आर्थिक सहयोग करते हैं।

कुछ व्यक्ति आपकी इस प्रकार की उदारतापूर्ण व्यवहार एवं भाव वृद्धि को अनुपयुक्त समझकर आपको अज्ञानी समझते हैं। अतः आप इस प्रकार की उदारतापूर्ण प्रवृत्ति के प्रति अपने विचारों को मेड़ने की शिक्षा ग्रहण करें।

सभी मिला जुलाकर आप बहुत अच्छे एवं सौम्य व्यक्ति हैं। परन्तु यदा-कदा किसी भी सुअवसर पर आप अपने धैर्य की अवनति कर सकते हैं तथा आप प्रतिशोध ले सकते हैं। आपको अपनी इस प्रवृत्ति पर भली प्रकार प्रतिरोध लगाना होगा। अन्यथा आपकी छवि पर कोई कलंक लग सकता है।

आप सौभाग्यवश शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं निरोग रहेंगे। आप अपनी

मध्यावस्था तक अपने शारीरिक वृद्धि की प्रवृत्ति के प्रत्ति विमुख रहें। उत्तम तो यह है कि आप अधिक भोजन पर अश्रित न रहें तथा भोजन पर नियंत्रण रखें। संप्रति आप किसी प्रकार के रोग से संक्रमित तथा अधीन हो सकते हैं। आप किडनी के रोग एवं मूत्र संबंधी रोग के प्रति सतर्क रहे। आपके लिए यह निर्देश है कि आप अपने घर पर अपने मित्रों के साथ कोई व्रण क्षत के शिकार हो सकते हैं। आपको इस बात के प्रति अनुभव अर्थात् पश्चात करना चाहिए कि बिना मित्र के सहयोग से आपके लिए दायित्व को पूरा करना सहज बात नहीं है।

आपके लिए सेवा व्यवसायों में उपयुक्त एवं प्रभावी कार्य सामाजिक जीवन का नेतृत्व अति अनुकूल प्रतीत होता है। आप गर्वनमेंट सेवक एवं अधिकारी के साथ लोक माध्यम का कार्य करें तो अच्छा है। यदि आप अनुमोदन करे तो आप स्वयं रासायनिक व्यवसाय तरल पदार्थों का व्यवसाय जैसे तेल-धृत आदि अथवा इसके अतिरिक्त आप विधिवेत्ता (वकील) अर्किटेक्ट विक्रय प्रतिनिधि, लेखक गायन वाद्य यंत्रवादक, पार्श्व गायक के साथ-साथ आप राजनीति से भी स्रोत स्थापित रख सकते हैं।

आपके लिए रंगों में उत्कृष्ट नारंगी एवं लाल रंग शुभकारक एवं भाग्यवर्द्धक है। आप पीला एवं हरे रंगों का त्याग कर दें।

आपके लिए अंको में 8 अंक उत्तम एवं धनोपार्जन अथवा धन निवेश हेतु अनुकूल है। साथ ही अंक 1, 2, 4 और 7 अंक सर्वथा अनुकूल है। परन्तु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल अंक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।